



Literacy for a Billion

Movie: Sharmilee

Year: 1971

Song: Megha chhaye aadhi raat

Lyricist: Neeraj

मेघा छाए आधी रात
बैरन बन गई निंदिया
मेघा छाए आधी रात
बैरन बन गई निंदिया

बता दे मैं क्या करूँ
मेघा छाए आधी रात
बैरन बन गई निंदिया

सबके आँगन दिया जले रे
मोरे आँगन जिया
हवा लागे शूल जैसी
ताना मारे चुनरिया
सबके आँगन दिया जले रे
मोरे आँगन जिया
हवा लागे शूल जैसी
ताना मारे चुनरिया
आई है आँसू की बारात
बैरन बन गई निंदिया

बता दे मैं क्या करूँ
मेघा छाए आधी रात
बैरन बन गई निंदिया

आ ...

रूठ गए रे सपने सारे
टूट गई रे आशा
नैन बहे रे गंगा मोरे

फिर भी मन है प्यासा
रूठ गए रे सपने सारे
टूट गई रे आशा
नैन बहे रे गंगा मोरे
फिर भी मन है प्यासा
किसे कहूँ रे मन की बात
बैरन बन गई निंदिया

बता दे मैं क्या करूँ
मेघा छाए आधी रात
बैरन बन गई निंदिया

तेरे डोंगी को मुझपे भौंकने का नहीं
खाली पिली खाली पिली रोकने का नहीं
तेरा पीछा करूँ तो टोकने का नहीं
तू मेरे अगल बगल है

मैं तेरे अगल बगल हूँ

तू मेरे अगल बगल है
मैं तेरे अगल बगल हूँ
तू मेरे अगल बगल आ

मैं तेरे अगल बगल हूँ
तू मेरे अगल बगल है
मैं तेरे अगल बगल हूँ



Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.